02

आज समाज

www.aajsamaaj.com

04

नई दिल्ली, पृष्ठ-04, सोमवार, 29 मई 2023 | राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र | विक्रमी संवत 2080, मास-ज्येष्ठ, शुक्ल पक्ष दशमी, मूल्य, 2.00 रुपए

कार्यशाला अग्रवाल कॉलेज बल्लभगढ़ में अंतरराष्ट्रीय शिविर के दूसरे दिन के सत्रों में शोध पत्र किए प्रस्तुत

पुस्तकालय पेशेवरों के बढ़ते क्षितिज व प्राथमिक लक्ष्यों पर प्रकाश डाला

आज समाज नेटवर्क

बल्लभगढ़। अग्रवाल कॉलेज बल्लभगढ़ में एनईपी-2020 के माध्यम से पुस्तकालयों का सतत विकास पर बहु-विषयक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का दूसरा दिन पुस्तकालय और सूचना विज्ञान पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का दूसरा दिन अग्रवाल कॉलेज बल्लभगढ़ के प्राचार्य डॉ. कृष्ण कांत के कुशल मार्गदर्शन में स्वागत सत्र के साथ शुरू हुआ। आयोजकों ने आने वाले दिन के लिए उत्साह और प्रत्याशा का माहौल बनाते हुए एक गर्मजोशी से स्वागत किया। सम्मेलन की शुरूआत नाइजीरिया के ऑलजेरियो में विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय केब्बी स्टेट के एक उल्लेखनीय वक्ता मुदुर्ला अमीनू से हुई। उनकी व्यावहारिक प्रस्तुति ने डिजिटल युग में पुस्तकालय पेशेवरों के बढ़ते क्षितिज और प्राथमिक लक्ष्यों पर

अपना संबोधन देते हुए वक्ता। आज समाज

प्रकाश डाला। दूसरे दिन के सत्रों में शोध पत्र प्रस्तुत किए गए और पुस्तकालय विज्ञान क्षेत्र के प्रतिष्ठित पेशेवरों द्वारा वार्ता आमंत्रित की गई। सुबह के सत्र की अध्यक्षता एनआईटी, कुरुक्षेत्र के सेवानिवृत्त प्रोफेसर प्रो. एस. के. चक्रवर्ती ने की। सत्र की शुरूआत दो आमंत्रित वार्ताओं के साथ हुई। प्रो. एसके शर्मा, सेवानिवृत्त वरिष्ठ पुस्तकालयाध्यक्ष और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली के सूचना अधिकारी ने पहला आमंत्रित व्याख्यान दिया। समृद्ध भारतीय संदर्भ से प्रेरणा लेते हुए प्रो शर्मा ने सतत विकास सिद्धांतों के उदाहरण के संदर्भ के रूप में श्रीमद्भगवद गीता और स्कंदपुराण पर प्रकाश डाला। आमंत्रित वार्ता के बाद अग्रवाल कॉलेज बल्लभगढ़ की डॉ. उदिता कुंडु ने पेपर प्रेजेंटेशन सेगमेंट के मॉडरेटर की भूमिका निभाई। सम्मेलन ने भारत और विदेशों दोनों से प्रतिनिधियों और विशिष्ट वक्ताओं को आकर्षित किया। हरियाणा, गुजरात, राजस्थान, पंजाब, दिल्ली एनसीआर, उत्तर प्रदेश सहित देश के विभिन्न हिस्सों से विविध प्रतिनिधित्व और कई अन्य ने सम्मेलन के जीवंत और समावेशी माहौल में योगदान दिया।